खंड 1 | अंक 1
VOLUME 1 | ISSUE 1

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY, KURUKSHETRA

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
An Institution of National Importance

उत्कृष्टता की ओर
एक बेहतर कल के लिए
In Pursuit of Excellence
For a Better Tomorrow

THE होRIZON

संस्थान न्यूज़लेटर, NIT कुरुक्षेत्र
Institute Newsletter, NIT Kurukshetra

अप्रैल – जून
2026
APRIL - JUNE
2026



शैक्षणिक उत्कृष्टता
ACADEMIC EXCELLENCE

शोध एवं नवाचार
RESEARCH & INNOVATION

परिसर जीवन
CAMPUS LIFE

सहयोग एवं साझेदारी
COLLABORATIONS & PARTNERSHIPS

NIT Kurukshetra, Kurukshetra,
Haryana – 136119, India

www.nitkkr.ac.in

विषय-सूची
TABLE OF CONTENTS

- संदेश | Messages
- विरासत से उत्कृष्टता की ओर | FROM LEGACY TO EXCELLENCE
- सतत शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएँ | Continuing Education, Training & Workshops
- संकाय उपलब्धियाँ एवं नवाचार | Faculty Achievements & Innovation
- संकाय विकास पहल | Faculty Development Initiatives
- मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग की उपलब्धियाँ | Achievements Of Mechanical Engineering Department
- प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट | Training & Placement
- युवा संगम चरण–VI | Yuva Sangam Phase–VI
- खेल एवं स्वास्थ्य | Sports & Fitness
- विद्यार्थी कॉर्नर | Students' Corner
- पूर्व छात्र से संकाय सदस्य तक: जहाँ यात्राएँ मिलती हैं | Alumni to Faculty: Where Journeys Meet
- परिसर की झलक | Glimpses of Campus
- संपादकीय टीम | Editorial Team

निदेशक का संदेश
Director's Message



प्रिय विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों एवं सम्मानित पाठकों,
Dear Students, Faculty Members, Staff, Alumni, and Esteemed Readers,

NIT कुरुक्षेत्र के इस न्यूज़लेटर के माध्यम से आप सभी से जुड़ते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। प्रत्येक संस्करण हमारे संस्थान की उपलिधयों और उन सामूहिक प्रयासों की झलक प्रस्तुत करता है, जो हमें नरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।
It gives me immense pleasure to connect with the NIT Kurukshetra community through this edition of our newsletter. Each edition reminds us of the collective efforts and aspirations that continue to shape our institute.

हाल के महीनों में शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, उद्योग सहभागिता और विद्यार्थी गतिविधियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। हमारे विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने अपनी उपलिधयों एवं समर्पण से संस्थान को गौरवान्वित किया है।
The recent months have been marked by encouraging progress in academics, research, innovation, industry engagement, and student activities. Our students and faculty have continued to bring recognition to the institute through their achievements and dedicated pursuit of excellence.

प्लेसमेंट के क्षेत्र में भी शानदार प्रदर्शन रहा, जहाँ 2025–26 सत्र में ₹1.56 करोड़ का उच्चतम पैकेज दर्ज हुआ और 2027 सत्र में अब तक 120 प्लेसमेंट के साथ ₹58.50 लाख का उच्चतम ऑफर प्राप्त हुआ है।
Our placement performance has also been remarkable, with the 2025–26 season recording a highest package of ₹1.56 crore per annum, while the 2027 season has already begun on a strong note with 120 placements and a highest offer of ₹58.50 lakh from MongoDB.

इन उपलिधयों के पीछे हमारे विद्यार्थियों की मेहनत तथा संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और मार्गदर्शकों का निरंतर सहयोग है। मैं NIT कुरुक्षेत्र परिवार के प्रत्येक सदस्य के योगदान के लिये हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।
Behind these achievements is the hard work of our students and the unwavering support of our faculty, staff, alumni, and mentors. I take this opportunity to congratulate and thank every member of the NIT Kurukshetra family for their valuable contribution.

आइये, हम मिलकर जिज्ञासा, रचनात्मकता, नवाचार और जिम्मेदार नेतृत्व को बढ़ावा देते हुए उत्कृष्टता की अपनी विरासत को और सशक्त करें तथा समाज के लिए सार्थक योगदान दें।
As we move forward, let us continue to nurture curiosity, creativity, innovation, and responsible leadership, preparing our students not only for successful careers but also for meaningful contributions to society.

आप सभी को निरंतर सफलता एवं आने वाली अनेक उपलब्धियों के लिये हार्दिक शुभकामनाएँ।
Wishing the entire NIT Kurukshetra family continued success and many more milestones ahead.

प्रो. ब्रह्मजीत सिंह
निदेशक (आई/सी),
NIT कुरुक्षेत्र

Prof. Brahmjit Singh
Director (I/C),
NIT Kurukshetra

छात्र कल्याण अधिष्ठाता का संदेश
Message from the Dean (Students' Welfare)



प्रिय विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं सम्मानित पाठकों,छात्र कल्याण कार्यालय की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ!
Dear Students, Faculty Members, and Esteemed Readers, Greetings from the Office of Student Welfare!

हमारे संस्थान के इस न्यूज़लेटर के माध्यम से आपसे जुड़कर मुझे प्रसन्नता हो रही है। NIT कुरुक्षेत्र में हम मानते हैं कि विद्यार्थी जीवन केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। हमारा प्रयास एक जीवंत, समावेशी और सहयोगपूर्ण वातावरण तैयार करना है, जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी सीखने, भाग लेने और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित हो।
I am delighted to connect with you through our institute's newsletter. At NIT Kurukshetra, we believe that student life extends beyond the classroom. Our endeavour is to create a vibrant, inclusive, and supportive environment where every student feels encouraged to learn, participate, and grow.

हाल के महीनों में हमारे विद्यार्थियों ने शिक्षा, अनुसंधान, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और सामुदायिक सहभागिता में उल्लेखनीय उत्साह और प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। क्लबों, सोसाइटियों और संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी हमारे परिसर को और अधिक जीवंत बनाती है।
The recent months have witnessed enthusiastic student participation and achievements across academics, research, sports, cultural activities, and community engagement. Their energy and involvement in clubs, societies, and institute initiatives continue to make our campus more dynamic and enriching.

छात्र कल्याण कार्यालय छात्र-केंद्रित पहलों, परामर्श एवं सहायता सेवाओं तथा व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसरों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं सभी विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से भाग लेने, नए अनुभवों को अपनाने, एक-दूसरे का सहयोग करने और NIT कुरुक्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करती हूँ।
The Office of Student Welfare remains committed to strengthening student-focused initiatives, counselling and support services, and opportunities for personal and professional growth. I encourage every student to participate actively, embrace new experiences, support one another, and make the most of their time at NIT Kurukshetra.

विद्यार्थी जीवन केवल ज्ञान अर्जित करने का नहीं, बल्कि दृढ़ता विकसित करने, स्वयं को पहचानने, सार्थक संबंध बनाने और सेवा की भावना विकसित करने का भी अवसर है। आपके विचारों, चिंताओं और सुझावों के लिए मेरा कार्यालय सदैव खुला है।
These years are not only about gaining knowledge, but also about building resilience, discovering oneself, forming meaningful connections, and developing a spirit of service. My office remains open to your ideas, concerns, and suggestions as we work together towards a better student experience.

आप सभी को प्रसन्नता, विकास और निरंतर सफलता की हार्दिक शुभकामनाएँ!
Wishing you all happiness, growth, and continued success!

प्रो. लिली दीवान
डीन (छात्र कल्याण),
NIT कुरुक्षेत्र

Prof. Lillie Dewan
Dean (Students' Welfare),
NIT Kurukshetra

कुलसचिव का संदेश
Registrar's Message



NIT कुरुक्षेत्र परिवार के नाम
A Message to the NIT Kurukshetra Community

यह हर्ष का विषय है कि संस्थान के इस न्यूज़लेटर के माध्यम से मैं NIT कुरुक्षेत्र में हाल के महीनों के दौरान हुई विभिन्न गतिविधियों, पहलों और उपलब्धियों की एक संक्षिप्त झलक आप सभी के साथ साझा कर रहा हूँ। यह प्रकाशन हमारे परिसर की जीवंतता, निरंतर प्रगति और सामूहिक प्रयासों का प्रतिबिंब है।

It is a pleasure to share, through this edition of the Institute Newsletter, a glimpse of the activities, initiatives and achievements that have shaped the life of NIT Kurukshetra in recent months. This publication reflects the vibrancy of our campus, our continuing progress and the collective efforts of the Institute community.

किसी भी संस्थान की प्रगति केवल उसकी शैक्षणिक उत्कृष्टता पर ही नहीं, बल्कि उन सुदृढ़ व्यवस्थाओं और समर्पित लोगों पर भी निर्भर करती है, जो उसके विकास को निरंतर गति प्रदान करते हैं। NIT कुरुक्षेत्र में शैक्षणिक प्रक्रियाओं को और सुदृढ़ करने, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, उद्योग और व्यापक अकादमिक समुदाय के बीच सार्थक संवाद एवं सहयोग के अवसर बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

The progress of any institution rests not only on academic excellence but also on the robust systems and dedicated people who provide the foundation and momentum for its growth. At NIT Kurukshetra, continuous efforts are being made to strengthen academic processes, promote research and innovation, and create meaningful opportunities for interaction and collaboration among students, faculty, industry and the wider academic community.

पिछले कुछ महीने संस्थान के लिए विशेष रूप से सक्रिय और उपलब्धिपूर्ण रहे हैं। सम्मेलनों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, आउटरीच कार्यक्रमों, छात्र गतिविधियों तथा विभिन्न संस्थागत पहलों ने परिसर में सीखने, संवाद और सहभागिता की संस्कृति को और समृद्ध किया है। इन प्रयासों के केंद्र में हमारे विद्यार्थियों का उत्साह, संकाय सदस्यों की प्रतिबद्धता तथा कर्मचारियों का समर्पित योगदान है।

The past few months have been particularly active and productive for the Institute. Conferences, workshops, seminars, outreach programmes, student activities and various institutional initiatives have enriched the culture of learning, dialogue and participation on our campus. At the heart of these endeavours are the enthusiasm of our students, the commitment of our faculty members and the dedicated contribution of our staff.

बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप हमारा निरंतर प्रयास एक ऐसे सक्षम, उत्तरदायी, नवोन्मेषी और समावेशी संस्थागत वातावरण का निर्माण करना है, जहाँ प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिका का उत्कृष्ट निर्वहन करते हुए संस्थान की प्रगति में सार्थक योगदान दे सके। मेरा विश्वास है कि किसी संस्थान की वास्तविक शक्ति उसकी सामूहिक प्रतिबद्धता, सहयोग और साझा उद्देश्य में निहित होती है।

As the Institute responds to the changing needs of the times, our endeavour remains to foster an environment that is capable, responsive, innovative and inclusive—an environment in which every member can perform their role with excellence and contribute meaningfully to the progress of the Institute. I firmly believe that the true strength of an institution lies in its collective commitment, collaboration and shared sense of purpose.

मैं NIT कुरुक्षेत्र के सभी विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं पूर्व छात्रों के निरंतर सहयोग, विश्वास और समर्पण के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आशा है कि यह न्यूज़लेटर हमारे सामूहिक प्रयासों, उपलब्धियों और निरंतर प्रगति का सार्थक प्रतिबिंब बनेगा।

I express my sincere appreciation to all students, faculty members, staff and alumni of NIT Kurukshetra for their continued cooperation, trust and commitment. I hope this newsletter serves as a meaningful reflection of our collective efforts, achievements and steady progress.

NIT कुरुक्षेत्र की निरंतर प्रगति, उत्कृष्टता और सफलता के लिए आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।
With my best wishes for the continued growth, excellence and success of NIT Kurukshetra.

प्रो. विनोद कुमार
कुलसचिव (आई/सी),
NIT कुरुक्षेत्र

Prof. Vinod Kumar
Registrar (I/C),
NIT Kurukshetra

विरासत से उत्कृष्टता की ओर
FROM LEGACY TO EXCELLENCE

कुरुक्षेत्र की गौरवशाली यात्रा
The NIT Kurukshetra Journey

1962
स्थापना एवं स्वीकृतियाँ
Establishment Sanctioned

1963
कुरुक्षेत्र क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय की स्थापना
Regional Engineering College,Kurukshetra Established

1965-66
वर्तमान परिसर में सिविल, विद्युत एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग शाखाओं के 120 विद्यार्थियों के साथ शिक्षण कार्य प्रारंभ हुआ।
Teaching begins at present campus with 120 students in Civil, Electrical and Mechanical Engineering

1967
प्रथम पीएच.डी. पंजीकरण
First PhD registration

1971-72
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी शाखा का शुभारंभ
Electronics & Communication Engineering added

1985-86
चार वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम की शुरुआत
Four-year B.Tech. programme introduced

1987-88
कंप्यूटर इंजीनियरिंग शाखा का शुभारंभ
Computer Engineering introduced

NIT KURUKSHETRA 2002
REC का उन्नयन कर NIT कुरुक्षेत्र का दर्जा प्रदान किया गया।
REC converted to NIT Kurukshetra

2007
राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया
Declared an Institution of National Importance

60 2022
हीरक जयंती: 60 गौरवशाली वर्ष
Diamond Jubilee: 60 years

2026
एक उभरता हुआ बहुविषयक संस्थान
A growing multidisciplinary institute



तब Then | अब Now

1965-66

तीन स्नातक अभियांत्रिकी शाखाएँ—सिविल, विद्युत एवं मैकेनिकल; वर्तमान परिसर में 120 विद्यार्थी।
3 undergraduate engineering branches - Civil, Electrical, Mechanical;
120 students at the present campus

वर्तमान Current

14 बी.टेक. कार्यक्रमों के साथ-साथ वास्तुकला में स्नातक (बी.आर्क.) कार्यक्रम भी संचालित है।
14 B.Tech. programmes, plus Bachelor of Architecture

सतत शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएँ
Continuing Education, Training & Workshops

International Conferences Attended Abroad
विदेशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सहभागिता

डॉ. नयति बालियान, कंप्यूटर अभियांत्रिकी: 3–5 जून 2026 को चानिया, क्रेते, ग्रीस में आयोजित इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी पर 7वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (ईईआईटीई'2026) में सहभागिता की।
Dr. Niyati Baliyan, Computer Engineering: Participated in the 7th International Conference on Electronic Engineering and Information Technology (EEITE'2026) at Chania, Crete, Greece, from June 3–5, 2026.

डॉ. प्रतिष्ठा वर्मा, कंप्यूटर अभियांत्रिकी: 3–5 जून 2026 को चानिया, क्रेते, ग्रीस में आयोजित इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी पर 7वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (ईईआईटीई'2026) में सहभागिता की।
Dr. Pratishtha Verma, Computer Engineering: Participated in the 7th International Conference on Electronic Engineering and Information Technology (EEITE'2026) at Chania, Crete, Greece, from June 3–5, 2026.

डॉ. घनप्रिया सिंह, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी: 3–5 जून 2026 को चानिया, क्रेते, ग्रीस में आयोजित इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी पर 7वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (ईईआईटीई'2026) में सहभागिता की।
Dr. Ghanapriya Singh, ECE: Participated in the 7th International Conference on Electronic Engineering and Information Technology (EEITE'2026) at Chania, Crete, Greece, from June 3–5, 2026.

डॉ. तन्मय माझी, भौतिकी: 15–19 जून 2026 को विलाज़ानो, इटली स्थित सैद्धांतिक अध्ययन के यूरोपीय केंद्र में आयोजित "जीपीडी के साथ हैड्रॉन इमेजिंग: उच्च-सटीकता वैश्विक विश्लेषण एवं लैटिस क्यूसीडी" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता की।
Dr. Tanmay Maji, Physics: Participated in the international workshop "Hadron Imaging with GPDs: High-Precision Global Analysis and Lattice QCD" at the European Centre for Theoretical Studies, Villazzano, Italy, from June 15–19, 2026.

भारत में आयोजित प्रशिक्षण/सम्मेलनों/संगोष्ठियों में सहभागिता
Training/Conferences/Symposia Attended in India

डॉ. चंद्र शेखर, व्यवसाय प्रशासन: 9–11 अप्रैल 2026 को भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरु में आयोजित छठे मानव संसाधन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 में भाग लिया।
Dr. Chandra Sekhar, Business Administration: Attended the 6th Human Resource International Conference 2026 at IIM Bangalore from April 9–11, 2026.

डॉ. धीरज कुमार शर्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी: 14–15 मई 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में आयोजित कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युत अभियांत्रिकी एवं उनके अनुप्रयोगों पर चौथे आईईईई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी2ई3-2026) में भाग लिया।
Dr. Dheeraj Kumar Sharma, ECE: Attended the 4th IEEE International Conference on Computer, Electronics, Electrical Engineering & Their Applications (IC2E3-2026) at NIT Uttarakhand on May 14–15, 2026.

डॉ. एम. सेंथिल कुमार, रसायन विज्ञान: 23 मई 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में आयोजित मुख्य समूह रसायन विज्ञान, ऑर्गेनोमेटैलिक्स एवं उत्प्रेरण में हालिया प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन (रैमॉक-2026) में सहभागिता की।
Dr. M. Senthil Kumar, Chemistry: Participated in the National Conference on Recent Advances in Main Group Chemistry, Organometallics and Catalysis (RAMOC-2026) at IIT Delhi on May 23, 2026.

डॉ. लव कुमार, कंप्यूटर अभियांत्रिकी: 1–15 जून 2026 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता/डेटा विज्ञान एवं मशीन लर्निंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीईईई कार्यक्रम 2026–2027) में भाग लिया।
Dr. Lov Kumar, Computer Engineering: Participated in the Training Programme on Artificial Intelligence/Data Science + Machine Learning (CEEE Programme 2026–2027) at IIT Guwahati from June 1–15, 2026.

डॉ. भावना श्रेय, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान: 5–6 जून 2026 को कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित जलवायु कार्रवाई, सतत विकास एवं साहित्य पर कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (क्लाइएक्शन 2026) में सहभागिता की।
Dr. Bhawna Shrey, HSS: Participated in the Kashmir International Conference on Climate Action, Sustainability and Literature (CliAction 2026) at the University of Kashmir, Srinagar, from June 5–6, 2026

डॉ. किरण कुमार जलादी, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग: 12–14 जून 2026 तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मेघालय में आयोजित आईईईई नॉर्थ ईस्ट इंडिया अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा रूपांतरण सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (एनई-आईईईसीसीई 2026) में भाग लिया।
Dr. Kiran Kumar Jaladi, EED: Attended the IEEE North East India International Energy Conversion Conference and Exhibition (NE-IECCE 2026) at NIT Meghalaya from June 12–14, 2026.

डॉ. विक्रम सिंह, कंप्यूटर अभियांत्रिकी: 22–26 जून 2026 तक टीएपीएमआई, मणिपाल में आयोजित एमएमटीटीपी के अंतर्गत पाँच दिवसीय भावी नेतृत्व विकास कार्यक्रम में सहभागिता की।
Dr. Vikram Singh, Computer Engineering: Participated in the five-day Nurturing Future Leadership Programme under MMTTP at TAPMI, Manipal, from June 2226, 2026.

आयोजित एसटीसी/एफडीपी/सम्मेलनों/कार्यशालाओं
STCs/FDPs/Conferences/Workshops Conducted

डॉ. कुलदीप कुमार: 23–28 अप्रैल 2026 तक आयोजित "सतत विकास के लिए स्मार्ट प्रौद्योगिकियों का एकीकरण: अवसर और चुनौतियाँ (आईएसटीडी-2026)" ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम (एसटीसी) के समन्वयक रहे।
Dr. Kuldeep Kumar: Coordinated the online STC on "Integrating Smart Technologies for Sustainable Development: Opportunities and Challenges (ISTSD-2026)", held from April 23–28, 2026.

डॉ. अमनदीप कौर: 23–28 अप्रैल 2026 तक आयोजित "सतत विकास के लिए स्मार्ट प्रौद्योगिकियों का एकीकरण: अवसर और चुनौतियाँ (आईएसटीडी-2026)" ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम (एसटीसी) के समन्वयक रहे।
Dr. Amandeep Kaur: Coordinated the online STC on "Integrating Smart Technologies for Sustainable Development: Opportunities and Challenges (ISTSD-2026)", held from April 23–28, 2026.

डॉ. सुशील कुमार: 24 अप्रैल–3 मई 2026 तक ईएंडआईसीटी वारंगल के माध्यम से आयोजित "कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नवीनतम प्रगति (आरएआईआई)" संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Sushil Kumar: Coordinated the FDP on Recent Advances in Artificial Intelligence (RAII), conducted from April 24–May 3, 2026 through E&ICT Warangal.

डॉ. नयति बालियान: 24 अप्रैल–3 मई 2026 तक ईएंडआईसीटी वारंगल के माध्यम से आयोजित "कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नवीनतम प्रगति (आरएआईआई)" संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Niyati Baliyan: Coordinated the FDP on Recent Advances in Artificial Intelligence (RAII), conducted from April 24–May 3, 2026 through E&ICT Warangal.

डॉ. वैभव अग्रवाल: 24 अप्रैल–3 मई 2026 तक ईएंडआईसीटी वारंगल के माध्यम से आयोजित "कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नवीनतम प्रगति (आरएआईआई)" संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Vaibhav Aggarwal: Contributed to the FDP on Recent Advances in Artificial Intelligence (RAII), conducted from April 24–May 3, 2026 through E&ICT Warangal.

डॉ. प्रियंका सिहाग: 26–30 अप्रैल 2026 को आयोजित "आर-स्टूडियो एवं पायथन का उपयोग करके सांख्यिकी को सरल बनाना" संकर कार्यशाला का समन्वय किया।
Dr. Priyanka Sihag: Coordinated the hybrid workshop on "Demystifying Statistics using R-Studio & Python", held from April 26–30, 2026.

डॉ. मोहित कुमार ओझा: 26–30 अप्रैल 2026 को आयोजित "आर-स्टूडियो एवं पायथन का उपयोग करके सांख्यिकी को सरल बनाना" संकर कार्यशाला का समन्वय किया।
Dr. Mohit Kr. Ojha: Coordinated the hybrid workshop on "Demystifying Statistics using R-Studio & Python", held from April 26–30, 2026.

डॉ. घनप्रिया सिंह: 18–22 मई 2026 तक आयोजित "डीप लर्निंग तकनीक एवं अनुप्रयोग (डीईएलटीए-2026)" ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Ghanapriya Singh: Coordinated the online STC on "Deep Learning Techniques and Applications (DeLTA-2026)", conducted from May 18–22, 2026.

डॉ. करमदीप सिंह: 18–22 मई 2026 तक आयोजित “डीप लर्निंग तकनीक एवं अनुप्रयोग (डीईएलटीए-2026)” ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Karamdeep Singh: Coordinated the online STC on “Deep Learning Techniques and Applications (DeLTA-2026)”, conducted from May 18–22, 2026.

डॉ. हेमंत शर्मा: 18–22 मई 2026 तक आयोजित “डीप लर्निंग तकनीक एवं अनुप्रयोग (डीईएलटीए-2026)” ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Hemant Sharma: Coordinated the online STC on “Deep Learning Techniques and Applications (DeLTA-2026)”, conducted from May 18–22, 2026.

डॉ. कंचन गर्ग: 1–5 जून 2026 को आयोजित “वास्तुकला अकादमिक क्षेत्र में कौशल एवं मानसिक कल्याण के बीच सेतु निर्माण” राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वय किया।
Dr. Kanchan Garg: Coordinated the National Workshop on “Bridging Skills and Mental Wellbeing in Architecture Academia”, held online from June 1–5, 2026.

डॉ. अरविंद कुमार: 6 जून को आयोजित “सार्वभौमिक मानव मूल्यों के माध्यम से मानसिक कल्याण” संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Arvind Kumar: Coordinated the FDP on Mental Well-being through Universal Human Values, held on June 6, 2026.

डॉ. गौरव सैनी: 6 जून को आयोजित “सार्वभौमिक मानव मूल्यों के माध्यम से मानसिक कल्याण” संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Gaurav Saini: Coordinated the FDP on Mental Well-being through Universal Human Values, held on June 6, 2026.

डॉ. प्रवीण मलिक: 6 जून को आयोजित “सार्वभौमिक मानव मूल्यों के माध्यम से मानसिक कल्याण” संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Praveen Malik: Coordinated the FDP on Mental Well-being through Universal Human Values, held on June 6, 2026.

डॉ. अरविंद कुमार: 10 जून–24 जुलाई 2026 तक आयोजित “शुरुआती लोगों के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स: एक व्यावहारिक परिचय” अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Arvind Kumar: Coordinated the STTP on “The Internet of Things for Beginners: A Practical Introduction”, conducted from June 10 to July 24, 2026.

डॉ. गौरव सैनी: 10 जून–24 जुलाई 2026 तक आयोजित “शुरुआती लोगों के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स: एक व्यावहारिक परिचय” अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Gaurav Saini: Coordinated the STTP on “The Internet of Things for Beginners: A Practical Introduction”, conducted from June 10 to July 24, 2026.

डॉ. जी. भास्कर राव: 10 जून–24 जुलाई 2026 तक आयोजित “शुरुआती लोगों के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स: एक व्यावहारिक परिचय” अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. B. Bhaskara Rao: Coordinated the STTP on “The Internet of Things for Beginners: A Practical Introduction”, conducted from June 10 to July 24, 2026.

डॉ. अरविंद कुमार: 12 जून 2026 को आयोजित भगवद्गीता के माध्यम से मानसिक कल्याण विषयक एकदिवसीय कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Arvind Kumar: Coordinated the self-financed one-day learning programme on Bhagwat Gita for Mental Wellbeing, held on June 12, 2026.

डॉ. गौरव सैनी: 12 जून 2026 को आयोजित भगवद्गीता के माध्यम से मानसिक कल्याण विषयक एकदिवसीय कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Gaurav Saini: Coordinated the self-financed one-day learning programme on Bhagwat Gita for Mental Wellbeing, held on June 12, 2026.

डॉ. टी. एन. ससामल: 12 जून 2026 को आयोजित भगवद्गीता के माध्यम से मानसिक कल्याण विषयक एकदिवसीय कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. T. N. Sasamal: Coordinated the self-financed one-day learning programme on Bhagwat Gita for Mental Wellbeing, held on June 12, 2026.

डॉ. राजीव गर्ग: 15–19 जून 2026 तक आयोजित "स्थापत्य ज्योति (दृश्य से परे अभिकल्पना)" राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वय किया।
Dr. Rajeev Garg: Coordinated the National Workshop on "Sthapratya Jyoti (Design Beyond the Visible)", conducted online from June 15–19, 2026.

डॉ. पंकज मुंजाल: 15–19 जून 2026 तक आयोजित "स्थापत्य ज्योति (दृश्य से परे अभिकल्पना)" राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वय किया।
Dr. Pankaj Munjal: Coordinated the National Workshop on "Sthapratya Jyoti (Design Beyond the Visible)", conducted online from June 15–19, 2026.

डॉ. विक्रम सिंह: 22–26 जून 2026 तक ऑनलाइन आयोजित "परिणाम-आधारित शिक्षा एवं सक्रिय शिक्षण पद्धति" संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Vikram Singh: Coordinated the online FDP on Outcome-Based Education and Active Pedagogy, conducted from June 22–26, 2026.

डॉ. अनूप कुमार पटेल: 22–26 जून 2026 तक ऑनलाइन आयोजित "परिणाम-आधारित शिक्षा एवं सक्रिय शिक्षण पद्धति" संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Anoop Kr. Patel: Coordinated the online FDP on Outcome-Based Education and Active Pedagogy, conducted from June 22–26, 2026.

डॉ. मान सिंह सैनी: 29 जून–4 जुलाई 2026 तक आयोजित "परिसर कल्याण को बढ़ावा देना: विभिन्न विभागों में मानसिक स्वास्थ्य कल्याण के सहायक" संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Than Singh Saini: Coordinated the FDP on "Cultivating Campus Wellbeing: Mental Wellness Facilitators across the Departments", conducted from June 29 to July 4, 2026.

डॉ. अंश पराशर (थॉट लैब): 29 जून–4 जुलाई 2026 तक आयोजित "परिसर कल्याण को बढ़ावा देना: विभिन्न विभागों में मानसिक स्वास्थ्य कल्याण के सहायक" संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।
Dr. Anshu Prashar (Thought Lab): Coordinated the FDP on "Cultivating Campus Wellbeing: Mental Wellness Facilitators across the Departments", conducted from June 29 to July 4, 2026.

संकाय उपलब्धियाँ एवं नवाचार
Faculty Achievements & Innovation

अप्रैल–जून 2026 के दौरान चार प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई, जिनके लिए कुल ₹142.78 लाख की धनराशि स्वीकृत हुई। ये परियोजनाएँ कंप्यूटर एप्लीकेशंस, कंप्यूटर इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों से संबंधित हैं तथा इंडस्ट्री 4.0, AI-आधारित स्वास्थ्य सेवा, मेडिकल मैकेनिज़्म, IoT और मशीन लर्निंग जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। ये पहल NIT कुरुक्षेत्र में नवाचार, अंतर्विषयक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी-आधारित शोध वातावरण को बढ़ावा देने की संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

During April–June 2026, four sponsored research projects were sanctioned, with a total funding of ₹142.78 lakh. The projects span Computer Applications, Computer Engineering, and Mechanical Engineering, addressing emerging areas such as Industry 4.0, AI-enabled healthcare, medical mechanisms, IoT, and machine learning. These initiatives reflect NIT Kurukshetra's commitment to fostering an innovative, interdisciplinary, and technology-driven research environment.

SPONSORED RESEARCH PROJECTS

APRIL – JUNE 2026

Projects Sanctioned During April to June 2026

S. No.	Department	Principal Investigator	Project Title	Funding Agency	Amount (₹ Lakh)	Date of Sanction
1	Computer Applications	Dr. Munish Bhatia	Game-Theoretic Decision-Making in Digital Twin-Inspired Industry 4.0	ANRF	30.00	23 Apr 2026
2	Mechanical Engineering	Dr. V. S. Nagendra Reddy B	Synthesis of Multi-Material Reinforced Contact-aided Compliant Mechanisms for Medical Applications	ANRF	42.79	04 Jun 2026
3	Computer Engineering	Dr. Vishwas Rathi	AI-enabled Medical Image Segmentation Framework for Better Clinical Decision Support	ANRF	31.92	15 Jun 2026
4	Computer Engineering	Dr. Vaibhav Agarwal	Development of an Automated Emergency Evacuation System for Indoor Environments using IoT and ML	ANRF	38.07	17 Jun 2026
TOTAL					**142.78**	–

संकाय विकास पहल
Faculty Development Initiatives

संकाय विकास कार्यक्रम
Faculty Development Programme

परिसर कल्याण को बढ़ावा देना: विभिन्न विभागों में मानसिक स्वास्थ्य सुविधा प्रदाता — प्रशिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम

NIT कुरुक्षेत्र में 29 जून से 4 जुलाई 2026 तक 'परिसर कल्याण को बढ़ावा देना: विभिन्न विभागों में मानसिक स्वास्थ्य सुविधा प्रदाता' विषय पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रशिक्षक-प्रशिक्षण पद्धति पर आधारित था और इसका उद्देश्य संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक सतत एवं सहयोगपूर्ण सहायता व्यवस्था विकसित करना था। कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक विभागों से लगभग 40 संकाय सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। इस पहल ने मानसिक स्वास्थ्य और परिसर कल्याण को संस्थान के व्यापक शैक्षणिक वातावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास प्रस्तुत किया।

Cultivating Campus Well-Being: Mental Wellness Facilitators Across Departments — Train-the-Trainer Mode A six-day Faculty Development Programme on "Cultivating Campus Well-Being: Mental Wellness Facilitators Across Departments" was successfully organized at NIT Kurukshetra from 29 June to 4 July 2026. Conducted in the Train-the-Trainer mode, the programme was designed to support the development of a sustainable mental health support system across the campus. Around 40 faculty members from various academic departments actively participated in the comprehensive programme. The initiative marked a meaningful step towards strengthening mental wellness and creating a more supportive and responsive campus environment for the institute community.

मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग की उपलब्धियाँ
Achievements Of Mechanical Engineering Department

NIT कुरुक्षेत्र के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने “सतत एवं बुद्धिमान विनिर्माण रणनीतियाँ: सामग्री, प्रक्रियाएँ एवं औद्योगिक अनुप्रयोग” विषय पर पाँच दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम (STC), SIMS-2026, आयोजित किया। कार्यक्रम में सतत विनिर्माण, डिजिटलीकरण, इंडस्ट्री 4.0/5.0 तथा ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस, बायोमेडिकल एवं ऊर्जा क्षेत्रों में इनके अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसका संचालन डॉ. संदीप सिंघल, डॉ. रवि प्रताप सिंह, डॉ. राजीव राठी एवं डॉ. दिनेश डब्ल्यू. राठौड़ द्वारा किया गया।

The Department of Mechanical Engineering, NIT Kurukshetra, organized SIMS-2026, a five-day Short-Term Course on “Sustainable and Intelligent Manufacturing Strategies: Materials, Processes, and Industrial Applications.” The programme highlighted sustainable manufacturing, digitalization, Industry 4.0/5.0, and applications in automotive, aerospace, biomedical, and energy sectors. It was conducted by Dr. Sandeep Singhal, Dr. Ravi Pratap Singh, Dr. Rajeev Rathi, and Dr. Dinesh W. Rathod.

विभाग ने शोध प्रकाशनों के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं। डॉ. संदीप सिंघल ने आपूर्ति श्रृंखलाओं के डीकार्बोनाइजेशन और सतत प्लास्टिक पैकेजिंग पर शोध प्रकाशित किया। डॉ. रवि प्रताप सिंह ने सतत मिलिंग, टूल-वियर पूर्वानुमान, उन्नत कंपोजिट, माइक्रो-इलेक्ट्रोकेमिकल मशीनिंग, थर्मल प्रबंधन और प्राकृतिक-फाइबर कंपोजिट सहित विभिन्न विषयों पर 10 शोध-पत्र प्रकाशित किए। डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने 3 तथा डॉ. मनोज कुमार गुप्ता ने 4 शोध-पत्र प्रकाशित किए।

The department also recorded significant research publication achievements. Dr. Sandeep Singhal published research on decarbonizing supply chains and sustainable plastic packaging. Dr. Ravi Pratap Singh published 10 research papers spanning sustainable milling, tool-wear prediction, advanced composites, micro-electrochemical machining, thermal management, and natural-fibre composites. Dr. Manoj Kumar Sinha contributed 3 papers on green grinding, laser-fabricated joints, and sustainable machining-chip applications, while Dr. Manoj Kumar Gupta published 4 papers covering solid lubricants, finite element analysis, startups, and topology optimization.

इसके अतिरिक्त, दो प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएँ स्वीकृत हुईं—डॉ. रवि प्रताप सिंह की AICTE-प्रायोजित ऑटोमोटिव परियोजना तथा डॉ. वी. एस. नागेंद्र रेड्डी बी. की ANRF-प्रायोजित चिकित्सा अनुप्रयोग संबंधी परियोजना।

Two major research projects were sanctioned: Dr. Ravi Pratap Singh’s AICTE-sponsored project on 3D-printed functionally graded lattice structures for automotive applications, and Dr. V. S. Nagendra Reddy B’s ANRF-sponsored project on multi-material compliant mechanisms for medical applications.

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट
Training & Placement

561
Companies

₹156L
Highest Package

₹11L
Average Package

84.99%
Placement

Placement Snapshot

913 कुल पात्र
eligible UG students

776 विद्यार्थी प्लेस हुए
students were placed



युवा संगम चरण–VI: सांस्कृतिक आदान-प्रदान की एक यात्रा
Yuva Sangam Phase–VI: A Journey of Cultural Exchange









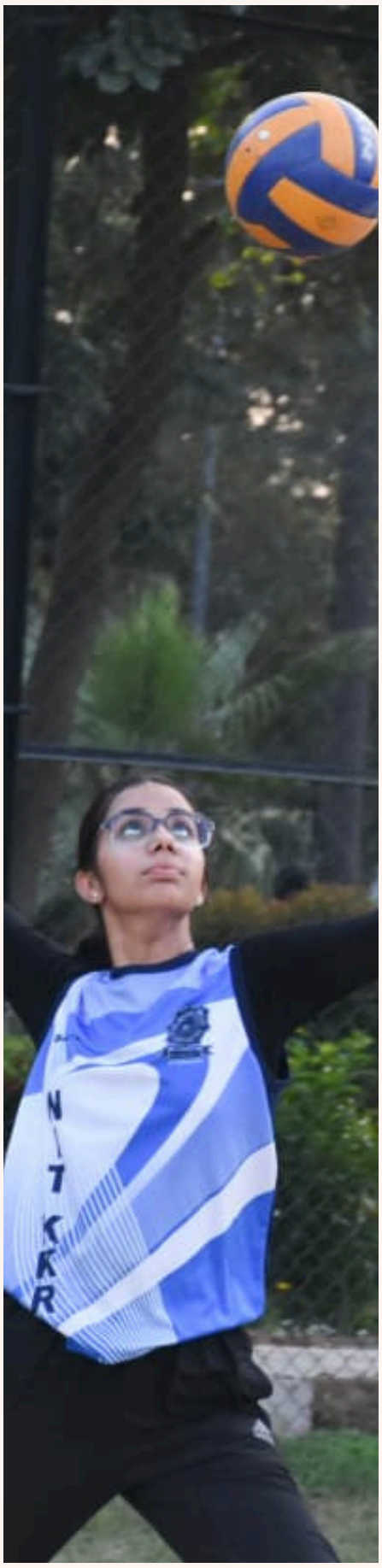
एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत आयोजित युवा संगम चरण–VI ने त्रिपुरा और हरियाणा के युवाओं को सीखने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी संवाद के एक सप्ताह लंबे अनुभव से जोड़ा। NIT कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 2–8 जून 2026 के दौरान त्रिपुरा से 49 प्रतिभागियों और 5 संकाय समन्वयकों ने भाग लिया। प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा की ऐतिहासिक विरासत, शैक्षणिक संस्थानों, कृषि, प्रौद्योगिकी, परंपराओं और विकासात्मक पहलों का अनुभव किया। सांस्कृतिक एवं विरासत स्थलों, NDRI करनाल, कृषि संस्थानों और ग्रामीण समुदायों के भ्रमण के साथ योग, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और विशेषज्ञ सत्रों ने कार्यक्रम को समृद्ध बनाया। इस यात्रा ने मित्रता, आपसी समझ तथा भारत की विविधता में एकता की भावना को और मजबूत किया।

Yuva Sangam Phase–VI, under Ek Bharat Shreshtha Bharat, brought together youth from Tripura and Haryana for a week-long journey of learning, cultural exchange, and people-to-people connection. Hosted by NIT Kurukshetra, the programme welcomed 49 participants and five faculty coordinators from Tripura from 2–8 June 2026. The delegation explored Haryana's historical heritage, educational institutions, agriculture, technology, traditions, and developmental initiatives. Visits to cultural and heritage sites, NDRI Karnal, agricultural establishments, village communities, and institutions were complemented by yoga, sports, cultural interactions, and expert sessions. The programme fostered friendship, mutual understanding, and a deeper appreciation of India's diversity and unity.

खेल एवं शारीरिक स्वास्थ्य
Sports & Fitness

NIT कुरुक्षेत्र में खेलकूद, शारीरिक स्वास्थ्य और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष जोर दिया जाता है। संस्थान में 400 मीटर का मानक ट्रैक, स्टेडियम, स्विमिंग पूल, क्रिकेट पिच, हॉकी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल एवं कबड्डी मैदान तथा बैडमिंटन और टेनिस कोर्ट जैसी उत्कृष्ट खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कई सुविधाओं में रात्रिकालीन खेलों के लिए प्रकाश व्यवस्था भी है। शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के संकाय सदस्य तथा विद्यार्थी गतिविधि एवं खेल अधिकारी (SASO) विद्यार्थियों को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। NEP-2020 के अनुरूप खेल और योग को पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है, जिससे विद्यार्थियों में फिटनेस, अनुशासन, टीम भावना और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

NIT Kurukshetra places strong emphasis on sports, fitness, and holistic student development. The institute boasts extensive sports infrastructure, including a standard 400-metre track, stadium, swimming pool, cricket pitch, hockey, football, basketball, volleyball and kabaddi grounds, along with badminton and tennis courts. Several facilities are equipped with lighting for extended play. Dedicated Physical Education and Sports faculty and the Students Activity & Sports Officer (SASO) guide and coach students to develop their sporting potential. In alignment with NEP 2020, Sports and Yoga have also been integrated into the curriculum, promoting physical fitness, discipline, teamwork, and overall well-being.







विद्यार्थी कॉर्नर
Students' Corner

एरोमॉडलिंग क्लब – NIT कुरुक्षेत्र ने IIT रुड़की द्वारा आयोजित ड्रोन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में पूर्व-निर्धारित GPS निर्देशांकों के आधार पर स्वायत्त रूप से उड़ान भरने में सक्षम ड्रोन का निर्माण करना था।प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित हुई। प्रथम चरण में ड्रोन को मैन्युअल रूप से उड़ाकर विभिन्न बुल्सआई लक्ष्यों के GPS निर्देशांक दर्ज किए गए, जबकि दूसरे चरण में इन्हीं निर्देशांकों को ड्रोन के सिस्टम में फीड कर उसे स्वायत्त रूप से निर्धारित मार्ग का अनुसरण करना था। क्लब ने तकनीकी दक्षता, सटीकता और उत्कृष्ट टीमवर्क का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया।

Aeromodelling Club – NIT Kurukshetra secured second place in the Drone Competition organized by IIT Roorkee. The competition involved developing an autonomous drone capable of navigating predefined GPS coordinates. The event comprised two rounds: manual flight and GPS coordinate recording in the first round, followed by autonomous navigation through the recorded coordinates in the second. The club's technical expertise, precision, and teamwork led to an outstanding performance and finished second.



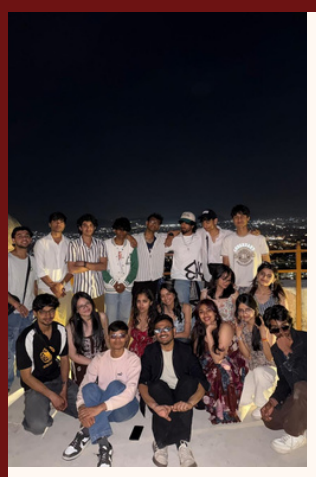


IIT मंडी में आह्वान

अप्रैल 2026 में NIT कुरुक्षेत्र के हिंदी नाट्य क्लब, आह्वान ने IIT मंडी में रूप कंवर सती कांड पर आधारित एक प्रभावशाली एकल अभिनय के माध्यम से संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। प्रथम वर्ष के छात्र राहुल गुप्ता के प्रभावशाली अभिनय ने उन्हें प्रथम पुरस्कार दिलाया, जिससे क्लब को भी गौरव प्राप्त हुआ और सामाजिक विमर्श में रंगमंच की प्रभावशीलता प्रदर्शित हुई।

AAHWAN AT IIT MANDI

In April 2026, Aahwan, the Hindi Play Club of NIT Kurukshetra, represented the institute at IIT Mandi with a powerful monoact on the Roop Kanwar Sati Kaand. First-year student Rahul Gupta's compelling performance earned the First Prize, bringing laurels to the club and highlighting theatre's power to spark meaningful social reflection.







लेट्स स्टार्ट डांस

मार्च और अप्रैल LSD के लिए प्रदर्शन, नए अनुभवों और टीम बॉन्डिंग से भरी यादगार यात्राओं का समय रहा। जयपुर में प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुँचने और IIT मंडी में NIT कुरुक्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने से टीम ने मंच से परे कई मूल्यवान अनुभव और यादें अर्जित कीं।

दो यात्राएँ। अनगिनत यादें। एक टीम।

LET'S START DANCE

March and April brought memorable journeys for LSD, filled with performances, exploration, and team bonding. The crew reached a competition final in Jaipur and represented NIT Kurukshetra at IIT Mandi, gaining valuable experiences, strengthening friendships, and creating lasting memories beyond the stage.

TWO JOURNEYS. COUNTLESS MEMORIES. ONE CREW.

रंगों में सपने

शिक्षा ने वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों के लिए एक कला कार्यशाला आयोजित की, जहाँ रंगों और कल्पनाओं के माध्यम से बच्चों को रचनात्मकता एवं आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर मिला। यह कार्यशाला किताबों से परे सीखने का आनंदपूर्ण माध्यम बनी और बच्चों के समग्र विकास के प्रति शिक्षा की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

PAINTING POSSIBILITIES

Shiksha organised an art workshop for children from disadvantaged backgrounds, creating a joyful space for creativity and self-expression. Through colours and imagination, the children explored their artistic side while learning beyond textbooks. The workshop reflected Shiksha's commitment to making education more engaging, inclusive, and holistic.







2026

अभिमाती हूँ मुझसे हर एक जंग 2026 की -①
एक बुलंद इरादे से .....
चाहे मुश्किलें हजार आएँ
पर मुझे लड़ना होगा ... (2)
अपने लिए नही , अपने मापा के लिए
उनके झेलें हुए एक दुख के लिए ③
उठ खड़ी हो , कर light , fight कर
कर *fight मुश्किलों से ---
तू अभिमानी जरूर
कर कोशिश तू मुश्किलों से लड़ने की बस ②
ना सोच क्या होगा -(4)
जो होगा बस जाएगा
ये तो सुना है मैंने
अक्सर हर किसी को कहते
मैं कहती हूँ -①

जो तू करती हो तू चाहेनी -②
बस वही होगा -- ①
अपनी लड़ाई तू जारी तो रख
सब सही होगा -- ②
वक्त शायद कर दे
झुकने के लिए मजबूर तुझे
पर तू देख मॉपा की
उन आँखों को
और जंग जारी रख
सब सही होगा ②
मॉपा की मुश्किलों से कल जाएगी
गर्व की लकीरों में
बस , रख तू हौंसला
तू बस जंग जारी रख !
तेरी कामयाबी के बाद ये वक्त भी बदल जाएगा
लोग इसे तेरा नसीब कहेंगे
कहेंगे : इसे तेरी किस्मत भी
(से तेरी किस्मत या नसीब नहीं -- (1)
ये तो जो तुने मेहनत से वक्त
को जीता है इसका नायाब
नज़ारा है
पर ये नायाब नज़ारा देख कर
श्रमित ना हो जाना , मेरे दोस्त ,
अभी तो तुझे बस
दुनिया की जंग जीतनी है ,
अभी तो अपने अंदर
चल रहे उस तूफान से
जंग बाकी है - ②
तू बस जंग जारी रख
सब सही होगा ②

-Neha



नीले रंग के सुंदर सजे हुए फूलदान में सजी फूलों की शाखा प्रकृति, रंगों और सौंदर्य का मनमोहक संगम प्रस्तुत करती है। खिले हुए फूल चित्र में ताजगी और उल्लास भरते हैं, वहीं इसकी सरलता रोज़मर्रा की चीज़ों में छिपी सुंदरता को उजागर करती है।

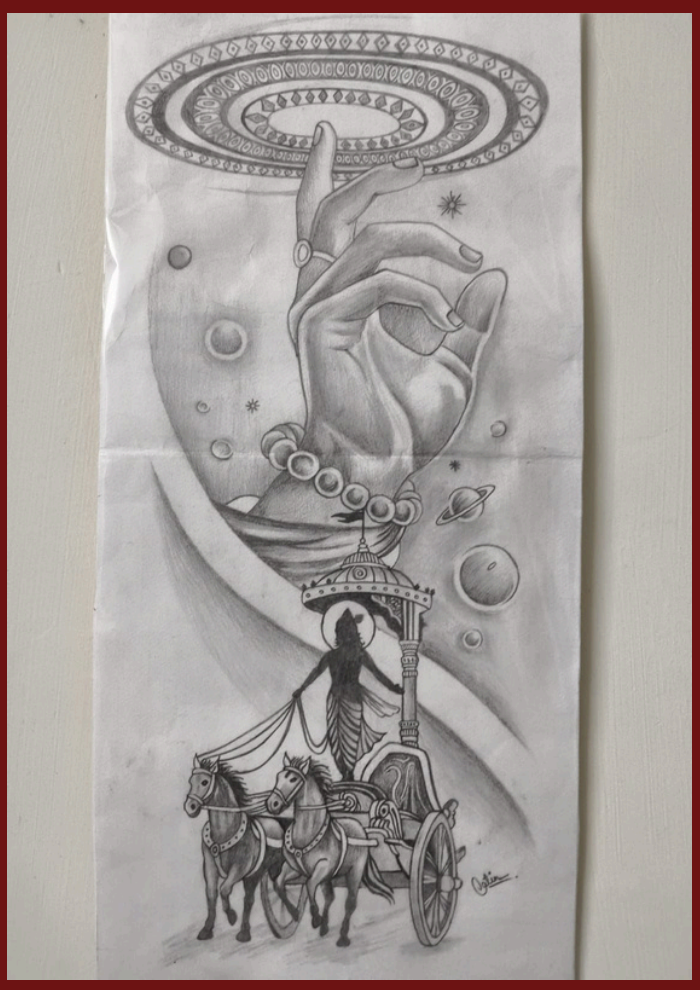
A delicate branch of blossoms rises gracefully from a beautifully patterned blue vase, bringing together colour, nature, and tranquillity. The artwork captures the simple beauty of everyday objects, while the vibrant flowers add a sense of freshness, warmth, and quiet joy.

- Arti Indora

सुदर्शन चक्र – दिव्य शक्ति का प्रतीक
यह चित्र भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य अस्त्र सुदर्शन चक्र को दर्शाता है। सुदर्शन चक्र को धर्म, न्याय और सत्य की रक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसकी गतिशील आकृति भगवान कृष्ण की असीम शक्ति और अधर्म के विनाश का संदेश देती है। चित्र की सूक्ष्म रेखाएँ और श्वेत-श्याम प्रस्तुति इसको एक प्रभावशाली आध्यात्मिक अभिव्यक्ति प्रदान करती हैं।

Sudarshan Chakra - Symbol of Divine Power
This artwork portrays Lord Krishna's divine weapon, the Sudarshan Chakra, a symbol of righteousness, justice, and the protection of truth. Its dynamic form represents Krishna's immense power and the triumph of dharma over evil.

- Jatin Chaurasiya



पूर्व छात्र से संकाय सदस्य तक: जहाँ यात्राएँ मिलती हैं
Alumni to Faculty: Where Journeys Meet



प्रो. जी. एल. पाहुजा NIT कुरुक्षेत्र (पूर्व में REC कुरुक्षेत्र) के गौरवशाली पूर्व छात्र हैं, जहाँ उन्होंने अपनी संपूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त की, जिसमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.एससी., एम.टेक. और पीएच.डी. शामिल हैं। अपने ही संस्थान में 31 वर्षों से अधिक समय तक संकाय सदस्य के रूप में सेवाएँ प्रदान करते हुए, उन्होंने एक छात्र से समर्पित शिक्षाविद् और अकादमिक नेतृत्वकर्ता तक की उल्लेखनीय यात्रा तय की है। वर्तमान में वे इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में वरिष्ठ प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं तथा विश्वसनीयता एवं प्रणाली अभियांत्रिकी (Reliability and System Engineering) के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हैं।

Prof. G. L. Pahuja is a proud alumnus of NIT Kurukshetra, formerly known as REC Kurukshetra, where he completed his entire higher education, including his B.Sc. in Electrical Engineering, M.Tech., and Ph.D. Having dedicated over 31 years to serving his alma mater as a faculty member, he represents a remarkable journey from student to academic leader. He currently serves as a Senior Professor in the Department of Electrical Engineering, specializing in Reliability and System Engineering.

प्रश्न: क्या आप 1978 में एक विद्यार्थी के रूप में REC कुरुक्षेत्र में प्रवेश लेने से लेकर NIT कुरुक्षेत्र के रूप में इसके विकास तक की अपनी यात्रा के बारे में बता सकते हैं?

मैंने 1978 में REC कुरुक्षेत्र (अब NIT कुरुक्षेत्र) में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश लिया। उस समय पाँच वर्षीय B.Sc. इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम और चार शाखाएँ थीं। छात्रावासों और इंटरनेट जैसी सुविधाओं के अभाव के बावजूद छात्र जीवन आनंदमय था। मैंने संस्थान के शैक्षणिक, बुनियादी ढाँचे और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास देखा। मैं अपने संस्थान के प्रति सदैव आभारी हूँ।

Q. Could you take us through your journey at REC Kurukshetra, from joining the institute as a student in 1978 to witnessing its transformation into NIT Kurukshetra?

I joined Electrical Engineering at REC Kurukshetra (now NIT Kurukshetra) in 1978. It was a five-year B.Sc. Engineering course with four branches. There were no girls' hostels then, and student life was enjoyable despite the absence of phones and internet. I witnessed the institute's remarkable growth in academics, infrastructure, courses and research. I remain grateful to my alma mater and wish it continued growth.

प्रश्न: जब आपने REC कुरुक्षेत्र में प्रवेश लिया, उस समय उच्च शिक्षा और करियर के विकल्पों की स्थिति कैसी थी और आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग को कैसे चुना?

उस समय उच्च शिक्षा और करियर विकल्पों के प्रति जागरूकता सीमित थी। शिक्षक मुख्यतः इंजीनियरिंग या चिकित्सा के क्षेत्र चुनने के लिए मार्गदर्शन देते थे। हरियाणा में PEC चंडीगढ़, थापर और REC कुरुक्षेत्र प्रमुख विकल्प थे। मेरी पहली पसंद मैकेनिकल इंजीनियरिंग थी, लेकिन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश मिलने के बाद समर्पित शिक्षकों के मार्गदर्शन से मैं अपने निर्णय से संतुष्ट हुआ।

Q. What was the scenario of higher education and career choices when you joined REC Kurukshetra, and what led you to choose Electrical Engineering?

At that time, awareness about higher education and career options was limited. Teachers mainly guided students towards engineering or medicine. In Haryana, PEC Chandigarh, Thapar and REC Kurukshetra were the main choices. I preferred Mechanical Engineering but was admitted to Electrical Engineering and became happy with my choice because of the dedicated teachers and their personal guidance.

प्रश्न: REC कुरुक्षेत्र में किन शिक्षकों का आपके शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा और उन्होंने आपको किस प्रकार प्रेरित किया?

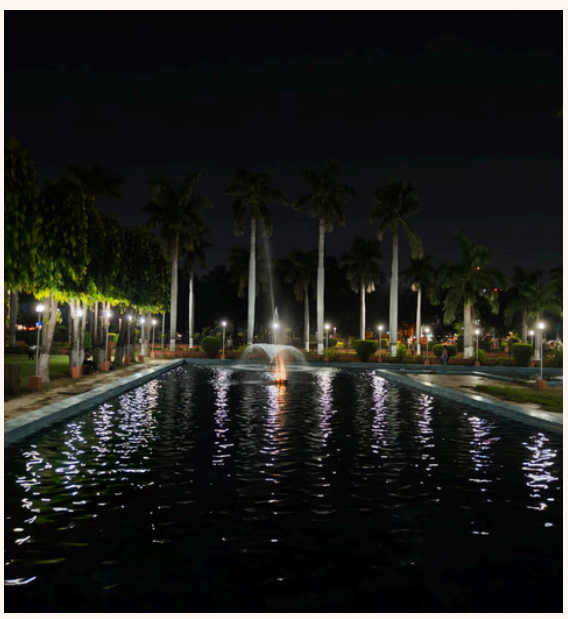
सभी शिक्षक उत्कृष्ट थे। प्रो. जे. एस. गुप्ता, प्रो. कृष्ण गोपाल, प्रो. वी. पी. बत्रा और प्रो. एम. एल. चानना ने मुझे उच्च शिक्षा प्राप्त करने और REC कुरुक्षेत्र में अध्यापन से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

Q. Which teachers at REC Kurukshetra had the greatest influence on your academic and professional journey, and how did they inspire you?

All teachers were excellent. Prof. J. S. Gupta, Prof. Krishan Gopal, Prof. V. P. Batra and Prof. M. L. Chanana particularly inspired me to pursue higher studies and join teaching at REC Kurukshetra.

परिसर की झलक
Glimpses of Campus

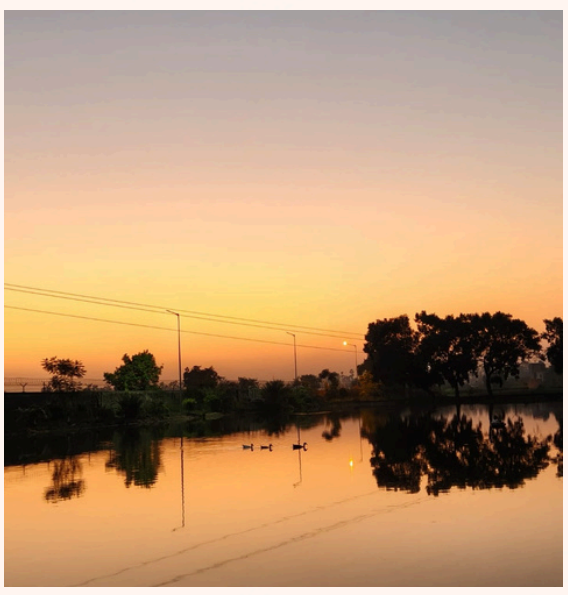






















संपादकीय टीम | Editorial Team



Dr. Shelly Vadhera
डॉ. शैली वढेरा
Associate Professor, EED
सह-प्राध्यापक, EED
| Professor In-Charge
| प्रभारी प्रोफेसर



Dr. Parveen Kumar
डॉ. परवीन कुमार
Assistant Professor, CoE
सहायक प्राध्यापक, CoE
| Faculty In-Charge
| प्रभारी संकाय सदस्य



Dr. Srinivasa Rao
डॉ. श्रीनिवास राव
Assistant Professor, EED
सहायक प्राध्यापक, EED
| Faculty In-Charge
| प्रभारी संकाय सदस्य



Nishtha Chaturvedi | निष्ठा चतुर्वेदी
SET (2024-2028)
| Editor In-Chief | मुख्य संपादक



Lucky Jindal | लकी जिंदल
ECE (2024-2028)
| Editor | संपादक



Muskan | मुस्कान
ME(2025-2029)
| Co-Editor(Content Curator)
| सह-संपादक (सामग्री समन्वयक)



Ananya |अनन्या
SET(2025-2029)
| Co-Editor(Content Writer)
| सह-संपादक (सामग्री लेखक)



Nitin | नितिन
SET(2025-2029)
| Co-Editor(Designer)
| सह-संपादक (डिज़ाइनर)